भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1247

सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एसडीएस योजना में खामियां

†1247**. श्री वी. के. श्रीकंदन:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा शुरू की गई स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) की शुरूआत और क्रियान्वयन में वर्ष 20214-2025 की अवधि के दौरान बहुत गंभीर खामियां रहीं हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि वर्ष 2024-15 से 2018-19 की अवधि के दौरान विषय आधारित मार्ग विकसित करने के उद्देश्य से 31 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में चिह्नित विषयगत सर्किटों के तहत केवल 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने उक्त योजना शुरू करने से पहले व्यवहार्यता अध्ययन नहीं कराया था;

(घ) क्या सरकार ने खराब योजना के कारण स्वीकृत राशि को पार कर लिया है और क्या अनुमोदन विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के बिना दिए गए थे और मूल्यांकन और अनुमोदन के लिए कोई औपचारिक तंत्र नहीं था; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि सरकार निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजनाएं पूरी नहीं कर सकी?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) 2014-15 में बजट घोषणा के बाद थीम-आधारित पर्यटन परिपथों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, देश भर में विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में कुल 5290.33 करोड़ रु. की लागत से कुल 76 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन/केंद्रीय एजेंसी द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्ताव और योजना के दिशानिर्देशों के अनुपालन, बजट की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता और उचित

अनुमोदन के आधार पर स्वीकृत किया गया है। जब भी राज्य सरकार की ओर से उचित कारणों से परियोजना लागत में विचलन का कोई अनुरोध प्राप्त होता है, तो उस पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विचार किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से इस योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में नया रूप दिया है और एसडी 2.0 के अंतर्गत 2108.87 करोड़ रु. की लागत से 52 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय ने 648.10 करोड़ रु. की 36 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

इस योजना का व्यवहार्यता अध्ययन 2019 में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के माध्यम से किया गया था। स्वदेश दर्शन योजना के कार्यान्वयन चरण में परियोजना पूर्ण होने की समयावधि कोविड-19, मौसम, स्थानीय मुद्दों आदि जैसे विभिन्न कारकों के कारण मामले-दर-मामले के आधार पर अलग-अलग थी।

*****